>

Title: Alleged illegal mining in the State of Odisha causing loss to national exchequer.

श्री भक्त चरण दास (कालाहांडी): सभापति महोदय, उड़ीसा में जो इल्लीगल माइनिंग स्कैंडल हुआ है, उस पर आपके माध्यम से सदन का ध्यान इस जीरो ऑवर में आकर्षित करना चाहता हूं।

कल इकोनोमिक टाइम्स में और आज टाइम्स ऑफ इंडिया में विशद लिखा है कि किस तरह से 900 करोड़ की इल्लीगल माइनिंग उड़ीसा में हुई है। एक आउटसाइडर, एक कांट्रैक्टर बनकर उड़ीसा में वÂान 2001 में आता है और दो-तीन साल कांट्रैक्टरी करने के बाद, जब वह विकास नहीं कर पाता है, आगे नहीं बढ़ पाता है, तो वहां के प्रभावशाली लोगों से मिलकर सारे कानून को, माइनिंग पॉलिसी को इग्नोर करते हुए क्योंझर जिला, उड़ीसा के जोडा, बरबिल और बदरसी एरिया में माइनिंग रूल 37 ऑफ मिनरल कंसेशन्स रूल्स को वायलेट करके, वहां के प्रभावशाली लोगों के साथ मिलकर, कुछ कंपनियों के साथ मिलकर, 900 करोड़ रुपये के माइनिंग स्कैंडल में इनवाल्व हुआ है। यह नई बात नहीं है, आप जानते हैं कि इस सदन में मैंने इसे पहले दो-तीन बार उठाया है कि राज्य में, राज्य सरकार की छत्रछाया के नीचे किस तरह से आयरन ओर और मैंगनीज का लाखों-करोड़ों रुपये का माइनिंग घोटाला हुआ है जिसकी इनवेस्टीगेशन भारत सरकार ने भी की है। क्या इस तरह का माइनिंग घोटाला चलता रहेगा, न्युजपेपर्स में आता रहेगा, चर्चा होती रहेगी? जब कर्नाटक में एक्शन हो सकता है, चारों ओर एक्शन हो रहा है, तो क्यों नहीं उड़ीसा में सीबीआई इनक्वायरी की जा रही है? सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से निवेदन करता हूं कि इस माइनिंग घोटाले की सीबीआई जांच की जाए। धन्यवाद।